

बीएचआईएस 183

स्नातक
(CBCS – BAG/Honours)
(FYUP – MAJOR/BAM/BSCM/BCOMF)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2026 और जनवरी 2027

पाठ्यक्रम कोड : बीएचआईएस 183
भारत में शिल्प बोध और परम्पराएँ



सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीएचआईएस 183 : भारत में शिल्प बोध और परम्पराएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
जुलाई 2026 और जनवरी 2027

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में बीएचआईएस 183 : भारत में शिल्प बोध और परम्पराएँ नामक कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल और विषय की जानकारी में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्रीय कार्य जमा करने हेतु निर्देश:

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगे।

यह सत्रीय कार्य उन विद्यार्थियों के लिए है जिन्होंने जुलाई 2026 और जनवरी 2027 के सत्र में प्रवेश लिया है। आपको सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार जमा करवाना होगा :

सत्र	जमा करने की तिथि	कहाँ जमा करना है
जुलाई 2026 सत्र के लिए	31 मार्च 2027	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2027 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2027	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

अन्य सत्रीय कार्यों की तरह आपके यह सत्रीय कार्य भी अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक को जमा कराना होगा। आपका क्षेत्रीय केन्द्र आपको ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा भी प्रदान कर सकता है। इसके लिए आप अपने क्षेत्रीय केन्द्र की वेबसाइट पर देखें कि आपके केन्द्र में ऑनलाइन सत्रीय कार्य जमा करने की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यो को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात्, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक **विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली** को भेजने होते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यो के उत्तर लिखते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

- 1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।
- 2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें।

उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

- 3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यो के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ लिखें और जिन बिन्दुओं पर आप विशेष बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें** यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,
इतिहास संकाय

बीएचआईएस 183 : भारत में शिल्प बोध और परम्पराएँ
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड: BHIS-183

सत्रीय कार्य कोड : बीएचआईएस -183 /एसएसएसी/TMA/2026-2027

अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित *वर्णनात्मक श्रेणी* के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत हैं। 2x20=40

- 1) श्रेणी से आप क्या समझते हैं। प्रमुख श्रेणियों और उनके प्रसार पर चर्चा कीजिए। 20
- 2) भारत में हस्तशिल्प क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली सरकारी पहलों का वर्णन कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित *मध्य श्रेणी* के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत हैं। 3x10=30

- 3) स्वदेशी, स्वबोध और स्वराज्य के मध्य संबंध को समझाईये। 10
- 4) अभ्यास द्वारा अधिगम की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। 10
- 5) शिल्प विपणन के लिए मौजूदा प्रतिमान और उसकी समस्याएँ क्या हैं? समझाईये। 10

सत्रीय कार्य - III

निम्नलिखित *संक्षिप्त श्रेणी* के प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक नियत हैं। 5x6=30

- 6) शिल्प की उत्तरजीविता 6
- 7) व्यवसायिक शिक्षा के रूप में शिल्प 6
- 8) जयपुर की ब्लू पॉटरी 6
- 9) सोनाबाई रजवार 6
- 10) सुजनी कशीदा कला 6